28/9/2019

युवा उत्सव का समापन

सागर दिनांक 28.09.2019 शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर में महाविद्यालयीन त्रिदिवसीय युवा उत्सव के अंतिम दिवस में प्रातः 8 बजे चित्रकला प्रतियोगिता प्रारंभ हुई जिसमें छात्राओं ने भारत की गौरवशाली परियोजना चन्द्रयान–2–2019 की आकृति को रंगों के माध्यम से साकार रूप प्रदान किया। समिति संयोजक डॉ. मालती दुबे ने छात्राओं को अच्छे प्रदर्शन के लिये प्रासेत्साहित किया। समिति सदस्य डॉ. अनुभा शर्मा, डॉ. अंशु सोनी, दीपिका सूर्यवंशी, आकाश कुर्मी एवं राकेश साकेत के सहयोग से प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इस प्रतियोगिता में डॉ. आशा पाराशर एवं डॉ. भावना यादव निर्णायक रही। क्ले मॉडलिंग प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने मिट्टी से गांधी एवं उनके प्रिय अंबा चरखा को सजीव रूप प्रदान किया। प्राचार्य डॉ. ए.के. पटैरिया ने छात्राओं को संदेश देते हुये कहा कि आपका जीवन भी कच्ची मिट्टी की तरह होता है उसे आप जिस स्वरूप में चाहें परिवर्तित कर सकते हैं एवं आप अपनी प्रतिभा को पहचानकर अपने कौशल एवं महनत से अपने जीवन को मनचाहा स्वरूप प्रदान कर सकते हैं। समिति संयोजक डॉ. आशा पाराशर ने छात्राओं को प्रोत्साहित किया। समिति सदस्य डॉ. रजनी दुबे, अभिषेक समैया, डॉ. प्रज्ञा पाण्डेय, रोहित सैनी, प्रतिभा कुर्मी के सहयोग से प्रतियोगिता सम्पन कराई। प्रतियोगिता में डॉ. मंगला सूद, डॉ. अनुभा शर्मा, डॉ. सरिता जैन ने निर्णायक की भमिका निभाई।

प्रतियोगिता के इसी क्रम में मंचीय विधाओं में एकल नृत्य (शास्त्रीय) एवं समूह लोक नृत्य का आयोजन किया गया जिसमें छात्राओं ने शास्त्रीय नृत्य कत्थक को प्रस्तुति दी एवं बुन्देलखंड के पारंपरिक लोक नृत्यों बधाई,नौरता,बरेदी,कला बोलियों की प्रस्तुति से सभागार को मंत्रमुग्ध किया। प्रतियोगिताओं की संयोजक डॉ. प्रतिमा खरे ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं छात्राओं को श्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया। समिति में डॉ. रजनी दुबे, डॉ. मंगला सूद, डॉ. भावना रमैया एवं नरगिस खान, सपना राजौरिया एवं अमिता विश्वकर्मा ने सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिताओं के निर्णायक डॉ. रेखा बख्शी, डॉ. पदमा आचार्य एवं डॉ. भावना यादव रहीं। इसी क्रम में एकांकी एवं मूक अभिनय का मंचन किया गया। एकांकी में सूखी डाली एवं गांधी चौक नाटकों का सफल मंचन हुआ। समिति संयोजक डॉ. एम.एम. चौकसे, डॉ. आशा पाराशर, डॉ.शक्ति जैन, डॉ. शीतांशु राजौरिया, श्वेता ओझा एवं प्रदीप श्रीवास्तव ने इस विधा को पूर्ण कराया। इस प्रतियोगिता में डॉ. सुनील श्रीवास्तव, डॉ. नरेन्द्रसिंह ठाकुर एवं डॉ. राजकुमार अहिरवार ने अपना निर्णय प्रदान किया। स्किट (हास्य नाटिका) एवं मिमिक्री प्रतियोगिता का संचालन डॉ. बिन्दु श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम में डॉ. सरिता जैन, शिखा कोष्ठी, समरा खान, अमिता विश्वकर्मा ने सहयोग प्रदान किया। प्रतियोगिता में डॉ. आलोक सहाय, डॉ. आनंद तिवारी एवं डॉ. अंशु सोनी निर्णायक रहीं। युवा उत्सव समिति के सभी सदस्यों, डॉ. सुनीता त्रिपाठी, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. अंजना नेमा, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. भावना रमैया डॉ. निशा इन्द्र गुरू, ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

महाविद्यालयीन युवा उत्सव प्रतियोगिताओं का सफलतापूर्वक समापन हुआ। एवं आभार डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने किया।

डॉ. अंजना चतुर्वेदी
युवा उत्सव प्रभारी

डॉ. ए.के. पटैरिया
प्राचार्य

27/9/2019

समाचार

युवा उत्सव 2019–20

रंगोली के माध्यम से छात्राओं ने मनोभाव उकेरे

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर (म.प्र.) में दिनांक 26–09–19 युवा उत्सव के दूसरे दिन **रंगोली,कोलाज,विधाएँ** रूपांकन के अन्तगर्त तथा सांगीतिक विधा के अन्तगर्त एकल गायन (शास्त्रीय), एकल गायन (सुगम),समूह गायन (भारतीय),एकल गायन पाश्चात्य समूह गायन पाश्चात्य तथा एकल वादन परकुशन एवं नानपरकुशन विधाएँ सम्पन्न हुई।

प्राचार्य डॉ.ऐ.के.पटैरिया ने छात्राओं को उद्‌बोधित कर कहा रंगोली के विभिन्न रंगों के समायोजन से जिस प्रकार सौदंर्य प्रस्फुटित होता है वैसे ही जीवन,उत्साह,उमंग उल्लास के विभिन्न रंगों के साथ मिलकर सुन्दर बन सकता है। रंगोली विधा की संयोजक डॉ.शक्ति जैन ने छात्राओं का उत्साहवर्धन कर रंगोली के नियमों से अवगत कराया तथा शुभकामनाऐं प्रेषित की।डॉ. भावना यादव,अंजली दुबे,कु.शिखा कोष्टी,श्री राकेश साकेत ने आयोजन में सहयोग किया तथा डॉ. सुनीता सिंह,डॉ.बिन्दु श्रीवास्तव,डॉ.सरिता जैन, ने विधाओं का निर्णय किया।

कोलाज विधा प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ हुई प्रतियोगिता का विषय था "विश्व खेल परिदृश्य में भारतीय महिला खिलाड़ी" भारतीय महिला खिलाडीयों के चित्रों से पेपर,न्यूज,चित्र की कतरनों से छात्राओं ने अदभुत रचनात्मकता का परिचय देते हुए कोलाज निर्मित किये। प्रतियोगिता का आयोजन डॉ.बिन्दु श्रीवास्तव के निर्देशन में डॉ.तरूणा नाथ,डॉ.निधि नगाइच,डॉ. शारदा विश्वकर्मा,डॉ.भावना पटैल,सुश्री सुप्रिया यादव ने किया निर्णय डॉ.आशा पाराशर,डॉ.रेखा बख्शी,डॉ.शक्ति जैन ने किया।

गायन,वादन विधाओं के अन्तर्गत प्रथम विधा एकल गायन शास्त्रीय विधा तथा एकल गायन (सुगम) के संयोजक डॉ.आलोक सहाय ने डॉ मालती दुबे,श्रीमती दीपिका तिवारी,श्रीमती निक्की वांगर,डॉ.पूनम कोहली,डॉ.मोनिका सोनी,डॉ.अंजली दुबे,के सहयोग से विधा सम्पन्न कराई डॉ.आलोक सहाय ने युवाओं में शास्त्रीय गायन के प्रति रूचि जाग्रत करने हेतु भारतीय

शास्त्रीय गायन का विश्व स्तर पर महत्व बताया। शास्त्रीय गायन के अंन्तर्गत छात्राओं नें डॉ. प्रेम चतुवेर्दी के मार्गदर्शन एवं संगत मे दरवारी कान्हडा,मालकौंस,शुद्ध–कल्याण,वृन्दावनी सारंग रागों का गायन किया एकल गायन सुगम में छात्राओं नें गीत एवं गजलो की शानदार प्रस्तुति की। छात्राओं ने इस विधा में बड़ चढ़ कर भागिता की। प्रतियोगिता ने निणयिक डॉ.सुनील श्रीवास्तव,डॉ.इला तिवारी तथा डॉ.रेखा बख्शी रहे।

समूह गायन (भारतीय) विधा के संयोजक डॉ.सुनील श्रीवास्तव तथा सदस्य अनुभा शर्मा,डॉ.श्वेता ओझा,डॉ.शीतांशु राजौरिया,श्री रोहित सेनी,अभिषेक समैया के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुई। इस विधा के अन्तर्गत छात्राओं ने एक देश भक्ति गीत तथा एक लोक गीत का गायन किया।दर्शक छात्राओं ने समूह गायन का जमकर लुत्फ उठाया तथा प्रतिभागीयों को उत्साहित,प्रोत्साहित किया। विधा का निर्णय डॉ आलोक सहाय,डॉ.पद्मा आचार्य,डॉ.निशा इन्द्र गुरू ने किया। एकल गायन पाश्चात्य का आयोजन डॉ.संजय खरे,डॉ.भावना यादव,डॉ.अंजली दुवे,डॉ दीपिका सूर्यवंशी,डॉ.कल्याण सुन्दर सोम,डॉ.रामशंकर वर्मा के सहयोग से सम्पन्न हुई। विधा का निर्णय डॉ. रेखा बख्शी,डॉ.इला तिवारी,डॉ.रजनी दुबे ने किया।

समूह गायन पाश्चात्य का आयोजन डॉ.सुनील श्रीवास्तव एवं सहयोगी दल के द्वारा किया गया छात्राओं ने पाश्चात्य शैली में भी अपने गायन का सुरीला प्रदर्शन किया निर्णय डॉ. आलोक सहाय,डॉ.पद्मा आचार्य,डॉ.निशाइन्द्र गुरू ने किया। समस्त गायन विधाओं में लगभग 200 छात्राओं ने सहभागिता की।

एकल वादन परकुशन व नान परकुशन विधा का आयोजन डॉ.रजनी दुबे,डॉ.अंशू सोनी,डॉ.राजकुमार अहिरवार,डॉ.दीपेश जैन,डॉ.स्वीटी मिश्रा,श्री अनिमेष जैन ने किया। निर्णय डॉ.अनिल शर्मा,डॉ.आलोक सहाय,डॉ.प्रेम चतुर्वेदी ने किया।

इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं नें कि भारी उपस्थिति रही एवं युवा उत्सव समिति डॉ.रश्मि दवे,डॉ.अंजना नेमा,डॉ.सुनीता त्रिपाठी,डॉ.रश्मि मलैया,डॉ.भावना रमैया,डॉ.अंजना चतुर्वेदी एवं समस्त महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

युवा उत्सव प्रभारी

प्राचार्य

दैनिक भास्कर सागर

सागर, मंगलवार 24 सितंबर, 2019 | 05

युवा उत्सव 2019-20 : कॉलेज स्तर पर प्रतियोगिता 26 से, जिला स्तरीय 10 अक्टूबर से होगी

भास्कर संवाददाता | सागर

एक्सीलेंस गर्ल्स डिग्री कॉलेज में युवा उत्सव 2019-20 की तैयारी बैठक सोमवार को आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विधाओं के लिए विषय का चयन, संगतकार मानदेय, एक दिन में एक ही कॉलेज में प्रतियोगिता के आयोजन पर चर्चा की गई। बैठक में जिले के सभी कॉलेजों के प्रभारी शामिल हुए। डॉ. अरविन्द बोहरे ने बताया कि कॉलेज स्तर पर यह प्रतियोगिता 26, 27 एवं 28 सितंबर को आयोजित कि जाएगी। जिला स्तर पर प्रतियोगिता 10 अक्टूबर से शुरू होगी और 15 अक्टूबर तक चलेगी। प्रतियोगिता में छत्रसाल विश्वविद्यालय छतरपुर से संबद्धता प्राप्त जिले के 42 कॉलेज सहभागिता करेंगे। इनमें 18 सरकारी और 24 प्राइवेट कॉलेज शामिल हैं।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में किस कॉलेज को कौन सी विधा की जिम्मेदारी

विधा	आयोजक कॉलेज	तारीख	समय
वक्तृता	पीजी कॉलेज बीना	10 अक्टूबर	12 बजे
वाद-विवाद	पीजी कॉलेज बीना	10 अक्टूबर	1 बजे
प्रश्न मंच	पीजी कॉलेज बीना	10 अक्टूबर	2 बजे
चित्रकला	एक्सीलेंस गर्ल्स डिग्री कॉलेज सागर	11 अक्टूबर	12 बजे
पोस्टर निर्माण	एक्सीलेंस गर्ल्स डिग्री कॉलेज	11 अक्टूबर	12 बजे
कार्टूनिंग	एक्सीलेंस गर्ल्स डिग्री कॉलेज	11 अक्टूबर	12 बजे
कोलाज	एक्सीलेंस गर्ल्स डिग्री कॉलेज	11 अक्टूबर	2.30 बजे
रंगोली	एक्सीलेंस गर्ल्स डिग्री कॉलेज	11 अक्टूबर	2. 30 बजे
क्ले मॉडलिंग	एक्सीलेंस गर्ल्स डिग्री कॉलेज	11 अक्टूबर	2.30 बजे
मिमिक्री	सरकारी कॉलेज रहली	12 अक्टूबर	12 बजे
स्किट (हास्य नाटिका)	सरकारी कॉलेज रहली	12 अक्टूबर	1 बजे
मूक अभिनय	सरकारी कॉलेज रहली	12 अक्टूबर	2 बजे
एकांकी	सरकारी कॉलेज रहली	12 अक्टूबर	2.30 बजे
एकल गायन शास्त्रीय	सरकारी कॉलेज बंडा	14 अक्टूबर	12 बजे
समूह गायन भारतीय	सरकारी कॉलेज बंडा	14 अक्टूबर	1 बजे
एकल गायन पाश्चात्य	सरकारी कॉलेज बंडा	14 अक्टूबर	2.30 बजे
समूह गायन पाश्चात्य	सरकारी कॉलेज बंडा	14 अक्टूबर	3.30 बजे
एकल वादन (परकुशन)	सरकारी कॉलेज बंडा	14 अक्टूबर	4.30 बजे
एकल वादन (नान परकुशन)	सरकारी कॉलेज बंडा	14 अक्टूबर	5 बजे
एकल गायन सुगम	आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज सागर	15 अक्टूबर	12 बजे
एकल नृत्य शास्त्रीय	आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज सागर	15 अक्टूबर	2 बजे
समूह लोक नृत्य	आर्ट एंड कॉमर्स कॉलेज सागर	15 अक्टूबर	3.30 बजे

दैनिक भास्कर सागर, शुक्रवार, 27 सितंबर, 2019

युवा उत्सव • गर्ल्स कॉलेज और अग्रणी कॉलेज में कॉलेज स्तरीय युवा उत्सव हुआ शुरु, कल तक विभिन्न विधाओं के आयोजन होंगे

कार्टून से संदेश : परिवार की जगह सोशल मीडिया को समय दे रहे लोग, मदद की जगह वीडियो बनाने में लग जाते हैं,- यह गलत है

भास्कर संवाददाता | सागर

उच्च शिक्षा विभाग का महाविद्यालयीन युवा उत्सव गुरुवार से शहर के गर्ल्स डिग्री कॉलेज और अग्रणी कॉलेज में शुरु हो गया। गर्ल्स डिग्री कॉलेज में पहले दिन 5 विधाएं हुईं। कार्टूनिंग में छात्राओं ने मोबाइल का उपयोग विषय पर उसकी लाभ-हानि बताईं। छात्राओं ने कार्टून के माध्यम से बताया कि लोग मोबाइल की लत का शिकार हो रहे हैं। स्थिति यह हो गई कि परिवार में रहने के समय भी वे परिवार को समय देने की जगह सोशल मीडिया को समय दे रहे हैं। इसी प्रकार किसी दुर्घटना के मौके पर मदद करने की जगह उसके वीडियो फोटो निकालने में लग जाते हैं। वाद-विवाद में सड़क दुर्घटनाओं के लिए लापरवाह वाहन चालकों को जिम्मेदार ठहराया।

इसके अलावा वक्तृता, प्रश्नमंच, पोस्टर मेकिंग सहित 5 विधाओं में कुल 119 छात्राओं ने सहभागिता की। पोस्टर मेकिंग में विद्यार्थियों ने पॉलीथिन मुक्त भारत पर विचार रखे। इससे पहले उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि अश्विनी सागर ने कहा कि अपनी समस्त ऊर्जा का उपयोग करते हुए इस अवसर को अपने जीवन का स्वर्णिम पल बनाइए। अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. एके पटैरिया ने कहा कि इस तरह के आयोजन में सफलता प्राप्त कर आप अपने जीवन की दशा प्राप्त कर सकते हैं। डॉ. पद्मा आचार्य ने कहा कि युवा उत्सव आपकी प्रतिभा के लिए निखारने का मंच है।

डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि आप सभी जो ऊर्जा के स्रोत हैं, इस उत्सव का मात्र हिस्सा न बनें, बल्कि इसे अपने जीवन का अंग बनाएं। डॉ. सरिता जैन, डॉ. इला तिवारी, डॉ.आनंद तिवारी, डॉ. दीपा खटीक के संयोजन में विभिन्न प्रतियोगिताएं हुईं। निर्णायक डॉ. नरेंद्र सिंह ठाकुर, डॉ. एएच अंसारी, डॉ. आलोक सहाय, डॉ. नवीन गिडियन, डॉ. प्रतिमा खरे, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. अनुभा शर्मा, डॉ. बिंदु श्रीवास्तव, डॉ. शक्ति जैन आदि थीं। डॉ.रश्मि दुबे ने दूसरे दिन होने वाली प्रतियोगिताओं की जानकारी दी।

सागर. गर्ल्स कॉलेज में छात्राओं ने इस तरह के पोस्टर बनाकर दिखाया कि लोग मोबाइल का कैसे दुरुपयोग कर रहे हैं।

आयोजन प्रश्नमंच, पोस्टर बनाओ प्रतियोगिता सहित अन्य प्रतियोगिताओं में बच्चों ने दिखाया हुनर

गर्ल्स कॉलेज में युवा उत्सव प्रारंभ

आचरण संवाददाता

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर (म.प्र.) में आज दिनांक 26-09-19 को महाविद्यालयीन त्रिदिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन एवं आह्वान से हुआ युवा उत्सव प्रभारी डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा युवा उत्सव का माहौल सृजित करता है, जिसका उद्देश्य छात्राएँ शैक्षणिक गतिविधियों के अतिरिक्त उनके सृजनात्मक गतिविधियों के प्रदर्शन के लिए शुभअवसर प्रदान करता है साथ ही तीन दिवसीय समस्त विधाओं एवं विषयों की जानकारी दी विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व युवा उत्सव प्रभारी एवं जिला संयोजक डॉ.पद्मा आचार्य ने कहा कि युवा उत्सव युवाओं की क्षमताओं रचनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करता है मुख्य अतिथ्य के रूप में कला के क्षेत्र अन्वेषण थियेटर ग्रुप से जुड़े श्री अश्विन सागर ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवा वह है जिसके मन में तेज,व भुजाओं में बल तथा पैरों में गति हो आप दृढ़ निश्चय आत्म बल को आत्मसात् करते हुये विश्वविद्यालय तक महाविद्यालय का नाम रोशन करें अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. ए.के. पटैरिया ने कहा कि यह मंच तीन दिवस तक छात्राओं का है आप अपनी कलात्मक शक्ति को पूर्ण शिद्दत एवं अनुशासन के साथ प्रदर्शित करें एवं आगे तक प्रतिनिधित्व करें। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ स्वीटी मिश्रा ने किया।

आज प्रथम दिवस पर साहित्य गतिविधियों के अन्तर्गत गिरते नैतिक मूल्यों में सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव विषय पर वृक्तता, बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में वाहन चालक ही जिम्मेदार है पर वाद विवाद पर प्रतियोगिता आयोजित हुई साथ ही प्रश्न मंच विधा का भी सम्पन्न हुई। रूपांकन विधा के अन्तर्गत प्लास्टिक मुक्त भारत पर पोस्टर निर्माण एवं मोबाइल फोन का उपयोग/दुरुपयोग विषय पर कार्टूनिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ. सरिता जैन वृक्तता एवं वाद विवाद डॉ.इला तिवारी प्रश्न मंच,कार्टूनिंग डॉ.आनंद तिवारी,पोस्टर निर्माण डॉ. दीपा खटीक संयोजक रही। विभिन्न विधाओं में निर्णायक के रूप में डॉ. नरेन्द्रसिंह

ठाकुर, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. ए.एच. अंसारी, डॉ. आलोक सहाय, डॉ. नवीन गिडियन, डॉ. प्रतिमा खरे, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. अनुभा शर्मा, डॉ. इला तिवारी, डॉ. बिन्दु श्रीवास्तव, डॉ. शक्ति जैन, रहे।

डॉ.रश्मि दुबे ने द्वितीय दिवस पर आयोजित होने वाली रंगोली, कोलाज (विश्व खेल परिदृश्य में भारतीय महिला खिलाड़ी), एकल गायन (शास्त्रीय), एकल गायन (सुगम), समूह गायन (भारतीय), एकल गायन पाश्चात्य, एकल वादन (परकुशन), एकल वादन (नान परकुशन) विधाओं की जानकारी दी। डॉ.अरविन्द बोहरे ने द्वितीय दिवस मे होने प्रतियोगिताओं के नियम से अवगत कराया।

उद्घाटन में डॉ.आशा पाराशर, डॉ संजय खरे,डॉ.डी.के.गुप्ता,डॉ. बिन्दु श्रीवास्तव, डॉ मंगला सूद, डॉ. अनिल शर्मा, डॉ. रजनी दुबे डॉ मालती दुबे, डॉ रेखा बख्शी, उपस्थित रही। डॉ. निश इन्द गुरू, डॉ. अंजना नेमा, डॉ. रश्मि मलैया,डॉ.भावन रमैया डॉ.शारद विश्वकर्मा,श्रीमति भावना पटेल,सु सुप्रिया यादव,ने समिति सदस्य सहयोग के रूप में सहयोग प्रदान किया

पत्रिका सिटी लीक्स

सागर, शुक्रवार, 27 सितंबर, 2019

युवा उत्सव का शुभारंभ, बोले-वक्ता

युवा वह है, जिसके मन में तेज व भुजाओं में बल हो

सागर. गर्ल्स कॉलेज में गुरुवार से तीन दिवसीय युवा उत्सव शुरू हो गया। युवा उत्सव प्रभारी डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा कि युवा उत्सव का उद्देश्य शैक्षिणिक गतिविधियों के अतिरिक्त सृजनात्मक गतिविधियों के प्रर्दशन के लिए अवसर प्रदान करना है। डॉ.पदमा आचार्य ने कहा कि युवा उत्सव युवाओं की क्षमताओं, रचनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के लिए मंच प्रदान करता है। मुख्य अतिथ्य अंवेषण थियेटर ग्रुप से जुड़े अश्विन सागर ने कहा कि युवा वह है, जिसके मन

में तेज व भुजाओं में बल और पैरों में गति हो। प्राचार्य डॉ. एके पटेरिया ने कहा कि यह मंच तीन दिवस तक छात्राओं का है। आप अपनी कलात्मक शक्ति को अनुशासन के साथ प्रदर्शित करें एवं आगे तक प्रतिनिधित्व करें। संचालन डॉ. स्वीटी मिश्रा ने किया। पहले दिन साहित्य गतिविधियों के अंतर्गत गिरते नैतिक मूल्यों में सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव विषय पर वाद विवाद पर प्रतियोगिता आयोजित हुई। साथ ही प्रश्न मंच विधा भी सम्पन हुई। रूपांकन विधा के अंतर्गत प्लास्टिक मुक्त भारत पर पोस्टर निर्माण और मोबाइल फोन का उपयोग, दुरुपयोग विषय पर कॉर्टूनिंग प्रतियोगिता हुई।

ये रहे निर्णायक

डॉ. सरिता जैन वृक्कता एवं वाद विवाद डॉ. इला तिवारी प्रश्न मंच, कार्टूनिंग डॉ.आनंद तिवारी, पोस्टर निर्माण डॉ. दीपा खटीक संयोजक रही। विभिन्न विधाओं में निर्णायक के रूप में डॉ. नरेन्द्र सिंह ठाकुर, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. एएच अंसारी, डॉ. आलोक सहाय, डॉ. नवीन गिडियन उपस्थित थे।

युवा उत्सव • गर्ल्स, अग्रणी और मकरोनिया कॉलेज में चल रहे हैं तीन दिवसीय आयोजन, आज होगा समापन

स्थल चित्रण से दिखाई चांद पर विक्रम लैंडर भेजने की प्रक्रिया; रंगोली में दिया स्वच्छता, बेटी बचाओ का संदेश

भास्कर संवाददाता | सागर

महाविद्यालयीन युवा उत्सव का आयोजन शहर के तीनों शासकीय कॉलेज में चल रहा है। गर्ल्स डिग्री कॉलेज और अग्रणी कॉलेज के विद्यार्थियों ने आयोजन के दूसरे दिन एक तरफ जहां रंगोली के माध्यम से स्वच्छता, पर्यावरण, 150वीं गांधी जयंती, बेटी-बचाओ को दिखाया गया।

वहीं स्थल चित्रण के माध्यम से चंद्रयान-2 की कहानी दिखाई गई। इसमें विद्यार्थियों ने इसरो द्वारा चांद पर विक्रम लैंडर, रोवर की लैंडिंग की प्रक्रिया को दिखाने का प्रयास किया गया। जिसे सभी ने खूब सराहा। गर्ल्स कॉलेज में रंगोली, कोलाज, एकल गायन, समूह गायन, एकल वादन आदि विधाओं में छात्राओं ने प्रस्तुति दी। प्राचार्य डॉ. एके पटैरिया ने कहा कि रंगोली के रंगों के जैसे ही जीवन, उत्साह, उमंग उल्लास के विभिन्न रंगों के साथ मिलकर सुंदर बन सकता है। रंगोली विधा की संयोजक डॉ.शक्ति जैन, कोलाज में डॉ. बिंदु श्रीवास्तव, गायन-वादन विधाओं में डॉ.आलोक सहाय, शास्त्रीय गायन में डॉ. प्रेम चतुर्वेदी, समूह गायन भारतीय विधा में डॉ.सुनील श्रीवास्तव, एकल गायन पाश्चात्य में डॉ.संजय खरे, समूह गायन पाश्चात्य में डॉ.सुनील श्रीवास्तव, एकल वादन परकुशन व नान परकुशन की संयोजक डॉ. रजनी दुबे रहीं। इस मौके पर युवा उत्सव समिति की डॉ.रश्मि दबे, डॉ. अंजना नेमा, डॉ.सुनीता त्रिपाठी, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. भावना रमैया, डॉ. अंजना चतुर्वेदी आदि मौजूद थीं।

कोलाज में विश्व खेल जगत में भारतीय महिलाओं की दमदार उपस्थिति दिखाई

वहीं अग्रणी कॉलेज में एकल वादन परकुशन, नान परकुशन, एकल नृत्य, समूह नृत्य, स्थल चित्रण, कोलॉज, रंगोली विधाओं में विद्यार्थियों ने प्रस्तुति दी। विश्व खेल परिदृश्य में भारतीय महिला खिलाड़ियों की उपस्थिति को सभी ने कोलाज पर सुंदर तरीके से दिखाया। विभिन्न विधाओं के प्रभारी डॉ. गोपा जैन, डॉ. मधु स्थापक, डॉ. जय कुमार सोनी, डॉ. सरोज गुप्ता, डॉ. रंजना मिश्रा, डॉ. इमराना सिद्दीकी, डॉ. संगीता कुंभारे, प्रो. राकेश कोटिया, डॉ. विनय शर्मा, डॉ. उमाकांत स्वर्णकार, डॉ. संतोष उपाध्याय, डॉ. अंकुर गौतम, डॉ. रश्मि यादव, रश्मि दुबे, डॉ. संदीप तिवारी, डॉ. सत्या सोनी आदि थे।

मकरोनिया कॉलेज : सोशल मीडिया से बढ़ रहीं अफवाह

युवा उत्सव के दूसरे दिन मकरोनिया कॉलेज में भाषण, वाद-विवाद, शास्त्रीय वादन एकल तथा प्रश्नमंच प्रतियोगिताएं हुईं। भाषण प्रतियोगिता का विषय नैतिक मूल्यों के पतन में सोशल मीडिया का प्रभाव रहा। इसमें अधिकांश प्रतिभागी, वास्तविक दुनिया के संबंधों में आई विरलता और आभासी दुनिया पर बढ़ती निर्भरता को लेकर चिंतित नजर आए। उनकी दृष्टि में सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रयोग कम है जबकि नकारात्मक इस्तेमाल बढ़ रहा है। समाज में हिंसा, आक्रामकता, अविश्वास, अफवाह बढ़ाने में सोशल मीडिया की भूमिका बढ़ती जा रही है। वाद-विवाद में सड़क दुर्घटनाओं के लिए वाहन चालक ही जिम्मेदार पर पक्ष-विपक्ष ने अपने-अपने तर्क रखे। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य प्रो. नीरा सहाय, प्रो. एसी जैन, युवा उत्सव प्रभारी प्रो. दिव्या गुरु, प्रतियोगिता प्रभारी डॉ. राजेश चौधरी, डॉ. अंजली सोनी, डॉ. मिथलेश शरण चौबे, दुर्गेश नंदिनी, निर्णायक राखी गौर आदि मौजूद थीं।

दैनिक भास्कर सागर, मंगलवार, 29 अक्टूबर, 2019

नवदुनिया
भोपाल, शनिवार 28 सितंबर 2019

सागर सिटी

www.naidunia.com

मीडिया

रही रिपोर्ट,
चक्कर
ली ने लिखा..
जी तो पूरा

प्रशासन बड़े बाजार में होता और चोर हवालात में। मनीष पांडे ने लिखा... कप्तान साहब आपके प्रभारी अधिकारियो को कृपा कर निर्देश जारी करने की कृपा करें, सीमाएं न देखें...।

रंगोली के माध्यम से छात्राओं ने दिया स्वच्छता का संदेश

शहर के तीनों शासकीय कॉलेजों में युवा उत्सव की धूम

सागर। नवदुनिया प्रतिनिधि

शहर के तीनों शासकीय कॉलेजों में जारी युवा उत्सव में विद्यार्थी अपनी प्रतिभाओं का शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। कहीं रंगोली के माध्यम से तो कहीं वाद-विवाद प्रतियोगिता में अपने मनोभावों को दूसरों तक पहुंचा रहे हैं।

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में तीन दिवसीय युवा उत्सव के दूसरे दिन एकल वादन परकुशन, एकल वादन नान परकुशन, एकल नृत्य, समूह नृत्य, स्थल चित्रण (चित्र कला), कोलॉज, रंगोली, विधाओं का आयोजन किया गया। जिसमें कई प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी विधा में उन्नत प्रदर्शन किया। स्थल चित्रण में विद्यार्थियों ने चन्द्रयान-2 के आकर्षक एवं यथार्थ चित्रांकन किया जिसमें विक्रम लैंडर तथा रोवर के प्रक्षेपण की प्रक्रिया को समझाया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने मनमोहक रंगोलियां बनाईं।

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय में युवा उत्सव के दूसरे दिन रंगोली, कोलाज एवं सांगीतिक विधा के अन्तर्गत एकल गायन (शास्त्रीय), एकल गायन (सुगम), समूह गायन (भारतीय), एकल गायन पाश्चात्य समूह गायन पाश्चात्य तथा एकल वादन परकुशन एवं नानपरकुशन विधाएं सम्पन्न हुई। प्राचार्य डॉ. एकेपटैरिया ने छात्राओं को उद्बोधित कर कहा रंगोली के विभिन्न रंगों के समायोजन से जिस प्रकार सौंदर्य प्रस्फुटित होता है वैसे ही जीवन, उत्साह, उमंग, उल्लास के विभिन्न रंगों के साथ मिलकर सुन्दर बन सकता है। इस दौरान छात्राओं ने स्वच्छता को लेकर अपनी बात रंगोली के माध्यम से कही।

सोशल मीडिया के दुष्प्रभावों को बयां किया

शासकीय महाविद्यालय मकरोनिया में आयोजित युवा उत्सव के दूसरे दिन भाषण, वाद-विवाद, शास्त्रीय वादन एकल तथा प्रश्नमंच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भाषण प्रतियोगिता का विषय नैतिक मूल्यों के पतन में सोशल मीडिया का प्रभाव रहा। छात्रों ने कहा सोशल मीडिया का सकारात्मक प्रयोग कम है, जबकि नकारात्मक इस्तेमाल बढ़ रहा है।

सागर। डिग्री कॉलेज में युवा उत्सव के दौरान रंगोली उकेरती छात्रा। • नवदुनिया

आयोजन ।

रंगोली के माध्यम से छात्राओं ने मनोभाव उकेरे

आचरण संवाददाता. सागर

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर (म.प्र.) में दिनांक 26-09-19 युवा उत्सव के दूसरे दिन रंगोली,कोलाज,विधाएँ रूपांकन के अन्तगर्त तथा सांगीतिक विधा के अन्तगर्त एकल गायन (शास्त्रीय), एकल गायन (सुगम),समूह गायन(भारतीय),एकल गायन प्राश्चात्य समूह गायन पाश्चात्य तथा एकल वादन परकुशन एवं नानपरकुशन विधाएँ सम्पन्न हुई।प्राचार्य डॉ.ऐ.के.पटैरिया ने छात्राओं को उद्बोधित कर कहा रंगोली के विभिन्न रंगों के समायोजन से जिस प्रकार सौदंर्य प्रस्फुटित होता है वैसे ही जीवन,उत्साह,उमंग उल्लास के विभिन्न रंगों के साथ मिलकर सुन्दर बन सकता है। रंगोली विधा की संयोजक डॉ.शक्ति जैन ने छात्राओं का उत्साहवर्धन कर रंगोली के नियमों से अवगत कराया तथा शुभकामनाऐं प्रेषित की।डॉ. भावना यादव,अंजली दुबे,कु.शिखा कोष्टी,श्री राकेश साकेत ने आयोजन में सहंयोग किया तथा डॉ. सुनीतासिंह,डॉ.बिन्दुश्रीवास्तव,डॉ.सरिता जैन, ने विधाओं का निर्णय किया कोलाज विधा प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ हुई प्रतियोगिता का विषय था शिश्वध खेल परिदृश्य में भारतीय महिला खिलाड़ीश्श् भारतीय महिला खिलाडीयों के चित्रों से पेपर,न्यूज,चित्र की कतरनों से छात्राओं ने अदभुत रचनात्मकता का परिचय देते हुए कोलाज़ निर्मित किये। प्रतियोगिता का आयोजन डॉ.बिन्दु श्रीवास्तव के निर्देशन में डॉ.तरूणा नाथ,डॉ.निधि नगाइच,डॉ.शारदा विश्वकर्मा,डॉ.भावना पटैल,सुश्री सुप्रिया यादव ने किया निर्णय डॉ.आशा पाराशर,डॉ.रेखा बख्शी,डॉ.शक्ति जैन ने किया। गायन,वादन विधाओं के अन्तर्गत प्रथम विधा एकल गायन शास्त्रीय विधा तथा एकल गायन (सुगम) के संयोजक डॉ.आलोक सहाय ने डॉ मालती दुबे,श्रीमती दीपिका तिवारी,श्रीमती निक्की वांगर,डॉ.पूनम कोहली,डॉ.मोनिका सोनी,डॉ.अंजली दुबे,के सहयोग से विधा सम्पन्न कराई डॉ.आलोक सहाय ने युवाओं में शास्त्रीय गायन के प्रति रूचि जाग्रत करने हेतु भारतीय शास्त्रीय गायन का विश्व स्तर पर महत्व बताया। शास्त्रीय गायन के अंन्तर्गत छात्राओं नें डॉ. प्रेम चतुवेर्दी के मार्गदर्शन एवं संगत मे दरबारी कल्याण,वृन्दावनी सारंग रागों का गायन किया एकल गायन सुगम में छात्राओं नें गीत एवं गजलो की शानदार प्रस्तुति की। छात्राओं ने इस विधा में बढ़ चढ़ कर भागिता की। प्रतियोगिता ने निणयिक डॉ.सुनील श्रीवास्तव,डॉ.इला तिवारी तथा डॉ.रेखा बख्शी रहे। समूह गायन (भारतीय) विधा के संयोजक डॉ.सुनील श्रीवास्तव तथा सदस्य अनुभा शर्मा,डॉ.श्वेता ओझा,डॉ.शीतांशु राजौरिया,श्री रोहित सेनी,अभिषेक समैया के कुशल निर्देशन में सम्पन्न हुई। इस विधा के अन्तर्गत छात्राओं ने एक देश भक्ति गीत तथा एक लोक गीत का गायन किया।दर्शक छात्राओं ने समूह गायन का जमकर लुत्फ उठाया तथा प्रतिभागीयों कोउत्साहितं,प्रोत्साहित किया। विधा का निर्णय डॉ आलोक सहाय,डॉ.पद्मा आचार्य,डॉ.निशा इन्द्र गुरू ने किया। एकल गायन पाश्चात्य का आयोजन डॉ.संजय खरे,डॉ.भावना यादव,डॉ.अंजली दुबे,डॉ दीपिका सूर्यवंशी,डॉ.कल्याण सुन्दर सोम,डॉ.रामशंकर वर्मा के सहयोग से सम्पन्न हुई। विधा का निर्णय डॉ. रेखा बख्शी,डॉ.इला तिवारी,डॉ.रजनी दुबे ने किया।समूह गायन पाश्चात्य का आयोजन डॉ.सुनील श्रीवास्तव एवं सहयोगी दल के द्वारा किया गया छात्राओं ने पाश्चात्य शैली में भी अपने गायन का सुरीला प्रदर्शन किया निर्णय डॉ.आलोक सहाय,डॉ.पद्मा आचार्य,डॉ.निशाइन्द्र गुरू ने किया। समस्त गायन विधाओं में लगभग 200 छात्राओं ने सहभागिता की।

राज एक्सप्रेस

सागर | शनिवार, 28 सितम्बर, 2019

शासकीय कॉलेज में युवा उत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

सागर। पं. दीनदयाल उपाध्याय, शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय में तीन दिवसीय युवा उत्सव के द्वितीय दिवस में एकल बाद्न परकुशन, एकल बाद्न नान परकुशन, एकल नृत्य, समूह नृत्य, स्थल चित्रण (चित्र कला), कोलॉज, रंगोली, विधाओं का आयोजन किया गया जिसमें कई प्रतिभागियों ने अपनी-अपनी विधा में उन्नत प्रदर्शन किया। स्थल चित्रण में विद्यार्थियों ने चन्द्रयान 2 के आकर्षक एवं यथार्थ चित्राकंन किया जिसमें विक्रम लैंडर तथा रोवर के प्रक्षेपण की प्रक्रिया को समझाया गया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक रंगोलिया बनायी गयी। विश्व खेल परिदृश्य में भारतीय महिला खिलाड़ी विषय पर विद्यार्थियों ने कोलाज प्रदर्शित किये मंहविद्यालय की छात्राओं द्वारा एकल नृत्य तथा समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। विभिन्न विधाओं के निर्णायक मण्डलों द्वारा प्रतिभागियों का सूक्ष्म परीक्षण कर निर्णय लिया गया। महाविद्यालय स्तर

पर चयनित विद्यार्थियो को आगे जिला स्तरीय प्रतियोगिता प्रतिभागिता के लिए भेजा जायेगा। कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं के प्रभारी के रूप में डॉ. गोपा जैन, डॉ. मधु स्थापक, डॉ. जय कुमार सोनी, डॉ. सरोज गुप्ता, डॉ. रंजना मिश्रा, डॉ. इमराना सिद्दीकी आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर सागर, शनिवार, 12 अक्टूबर, 2019

युवा उत्सव • जिले के 15 शासकीय कॉलेजों के प्रतिभागियों ने की सहभागिता

कार्टून से दिया संदेश : बुजुर्गों के हिस्से का समय मोबाइल को देने लगे हैं बच्चे

भास्कर संवाददाता | सागर

गर्ल्स कॉलेज में शुक्रवार को जिला स्तरीय युवा उत्सव की 6 विधाओं का आयोजन हुए। इसमें जिले के 18 में से 15 शासकीय कॉलेजों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्टूनिंग का विषय था मोबाइल। जिस पर विद्यार्थियों ने रोचक तरीके से अपने विचार रखे। एक विद्यार्थी ने कार्टून के माध्यम से पूरी कहानी उकेरते हुए संदेश दिया कि बुजुर्ग कहते हैं कि बच्चों के शेड्यूल में जो हिस्सा हम बुजुर्गों के लिए होता है, वह अब हमें नहीं मिलता है। इसका स्थान मोबाइल ने ले लिया है।

इसी प्रकार कई लोगों ने असंवेदनशीलता, वाहन चलाते समय मोबाइल के उपयोग आदि से होने वाले दुष्परिणाम भी बताए। पोस्टर निर्माण में विद्यार्थियों ने चंद्रयान-2 की चांद की यात्रा को दिखाया। इसमें किसी ने चंद्रयान-2 का हीरो इसरो के चेयरमैन के सिवन को बताते हुए उनका चित्र भी बनाया तो किसी ने चंद्रयान और चांद पर भारत लिखकर यह बताने का संदेश किया कि इसके माध्यम से भारत अब चांद में भी प्रकाशित हो रहा है।

रंगोली में विद्यार्थियों ने अपनी पसंद के हिसाब से विभिन्न भाव को उकेरा। क्ले मॉडलिंग का विषय था गांधीजी का चरखा अंबा। इसी के माध्यम से विद्यार्थी यह जान सके कि गांधीजी जो चरखा चलाते थे, उसका नाम अंबा था। इसको लेकर विद्यार्थियों ने प्रबंधन का आभार भी जताया कि उन्होंने ऐसा विषय रखा, जिससे उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी मिली।

मोबाइल का सीमित एवं सुरक्षित उपयोग करें : एसपी

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक अमित सांघी थे। उन्होंने विद्यार्थियों को मोबाइल के सीमित एवं सुरक्षित उपयोग करने की सलाह दी। साथ ही साइबर क्राइम के बारे में भी जानकारी दी। साइबर कार्यशाला कॉलेज में करने की बात भी उन्होंने कही। मुख्य अतिथि उप सचिव राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. आरके विजय ने कहा कि यहां के विद्यार्थी बेहद प्रतिभाशाली है। इसी तरह के मंच से वे आगे बढ़ेंगे। अध्यक्षता कर रहे कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अखिलेश पटैरिया ने युवा उत्सव के बारे में जानकारी दी।

यह रहे परिणाम

- **कार्टूनिंग :** जतिन गुप्ता पीजी कॉलेज बीना पहले, रीना प्रजापति मकरोनिया कॉलेज दूसरे एवं शिवानी सिंघई रहली कॉलेज तीसरे स्थान पर रहीं।
- **पोस्टर निर्माण :** कविता राय गर्ल्स कॉलेज सागर पहले, बसंत विश्वकर्मा रहली कॉलेज दूसरे एवं अभिषेक उपाध्याय अग्रणी कॉलेज तीसरे स्थान पर रहे।
- **रंगोली :** माधवी विश्वकर्मा गर्ल्स कॉलेज सागर पहले, अंकित कोरी गढ़ाकोटा कॉलेज दूसरे एवं शिवानी विश्वकर्मा मकरोनिया कॉलेज तीसरे स्थान पर रहीं।
- **कोलॉज :** शिवानी चौकसे मकरोनिया कॉलेज पहले, साक्षी बारोलिया रहली कॉलेज दूसरे एवं याशिका साहू गर्ल्स कॉलेज बीना तीसरे स्थान पर रहीं।
- **क्ले मॉडलिंग :** दीक्षा ठाकुर गर्ल्स कॉलेज बीना पहले, तेज सिंह कुशवाहा पीजी कॉलेज बीना दूसरे एवं प्रिंस खरे रहली कॉलेज तीसरे स्थान पर रहे।
- **स्थल चित्रण :** प्रियंका झा गर्ल्स कॉलेज पहले, मनीष सौर मकरोनिया कॉलेज दूसरे एवं अंकित कोरी गढ़ाकोटा कॉलेज तीसरे स्थान पर रहे।

कार्यक्रम । गर्ल्स कॉलेज में हुआ संसदीय प्रक्रिया एवं पद्धति विषय पर कार्यक्रम

वर्तमान में मीडिया मजबूती से उभरा: जैन

सागर, आचरण संवाददाता।

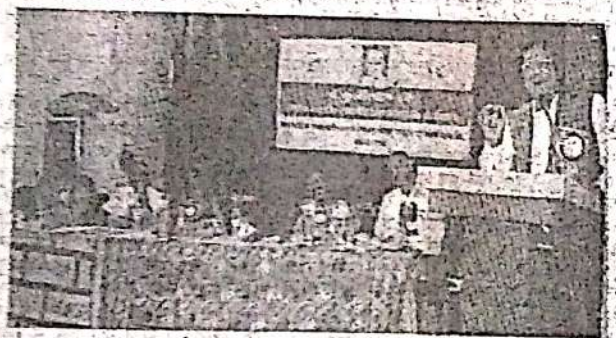

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर में आज पं. कुंजीलाल दुबे प्रथम विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा प्रदान की गई राशि से संसदीय प्रक्रिया एवं पद्धति कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुनील जैन विषय विशेषज्ञ डॉ. बी.डी. अहिरवार प्राचार्य शासकीय महावि. जरेरा विशिष्ट अतिथि श्रीमती निधि सक्सेना न्यायाधीश जिला सागर विधिक सेवा प्राधिकरण सागर विषय विशेषज्ञ सर्वेश्वर उपाध्याय प्राध्यापक डॉ. हरीसिंह गौर विवि. सागर उपस्थित हुए। कार्यशाला के उद्देश्य एवं प्रारूप बताते हुए डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि कुंजीलाल दुबे विद्यापीठ 24 मार्च 1998 में विद्यार्थी को विद्यापीठ की स्थापना की गई। संसदीय जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से की गई ताकि भविष्य में जो बच्चे राजनीति में जाएं वे समस्त जानकारी के साथ वहां प्रतिनिधित्व करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुनील जैन पूर्व विधायक एवं उद्योगपति ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा वर्तमान में चौथा स्तंभ मीडिया के रूप में बहुत मजबूती से उभरा है। दिनभर चलने वाले न्यूज को न्यायपालिका, विधायिका या कार्यपालिका नजरअंदाज नहीं कर पाती एवं कार्यवाही आवश्यक हो जाती है। विशिष्ट अतिथि श्रीमति निधी सक्सेना विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय ने संबोधित करते हुए कहा कि यह आयोजन न्यायपालिका से भी संबंधित है। संविधान का अनुच्छेद 32 एवं 226 की तहत यह उत्तरदायित्व दिया गया है कि मौलिक अधिकारों की रक्षा करें। संविधान एक ऐसी मातृ पुस्तक है, यह सभी धर्मों को समदृष्टा की भांति देखती है। संविधान 39। कहता है कि उन लोगों तक न्याय पहुँचाएँ जिन तक कोई नहीं पहुँचता। उनके लिए सुलभ न्याय हेतु 1987 में कानून बनाया गया। न्यायालय की समाज में फिल्मों से एक अलग इमेज बनाई है। वास्तव में न्यायालय आपको समाज का अंग है एवं सामान्य रूप से कार्य करता है। एक लाख से कम वार्षिक आय प्राप्त करने वाले लोगों को न्याय हेतु संविधान के भा 3-51। से प्राप्त होती है। कर्तव्य की पूर्ति ईमानदारी से करने पर अधिकार स्वतः प्राप्त होते हैं। 2012 में निर्भया कानून बना जो बच्चियों की सुरक्षा कर सके। इसके साथ इसकी खामी को पूरा करने के लिए 2018 में म.प्र. शासन ने और कानून बनाया तथा दो कोर्ट ऐसे ही मामलों के लिए बनाए गए। डॉ. सर्वेश्वर उपाध्याय विषय विशेषज्ञ ने कहा संसदीय व्यवस्था का मूल मंत्र जागरूकता में निहित है। डॉ. अंबेडकर के अनुसार इसमें जवाबदेहिता की अधिकता के कारण अपनाई गई। लोकतंत्र में दो प्रकार की शासन व्यवस्था है। संसदीय एवं अध्यक्षीय व्यवस्था अफ्रीका, फ्रांस एवं अमेरिका में अध्यक्षीय एवं लगभग शेष भारत में संसदीय व्यवस्था है। जो सरकारें निर्वाचित हों एवं बहुमत प्राप्त करें, उन्हें सत्ता के मद में अपना मेनीफेस्टो भूलना नहीं चाहिए। अपना दायित्व हेतु जवाबदेही अवश्य होना चाहिए। दिल्ली की हिंसा पर चर्चा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत की जा रही है। ध्यानाकर्षण में आपातकालीन मुद्दों पर चर्चा की जाती है।

डॉ. बी.डी. अहिरवार 1996 के बाद भारत का राजनीतिक परिदृश्य बदला है। अब सरकारें बहुमत में आकर अपना कार्यकाल पूर्ण कर रही है। यह प्रजातंत्र का शुभ संकेत है। इसलिए व्यवस्था ही सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था है। सभी चार सत्रों के प्रश्न लगवाने हेतु 22 दिन पूर्व प्रश्न लगाना होता है एवं लाटरी प्रक्रिया से प्रश्न लगाया जाता है। 1862 में ही हमारे देश में संसदीय प्रक्रिया का प्रारंभ हो चुका था। कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं संरक्षक डॉ. इला तिवारी ने कहा कि विषय विशेषज्ञ ने आपको विस्तृत जानकारी प्रदान की। यह विषय प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ा एवं संवेदनशील है तथा भविष्य की राजनीतिक पीढ़ी को यह व्यवहारिक ज्ञान उन्हें दिशा देगा एवं भविष्य के लिए तैयार करेगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रजनी दुबे, प्राध्यापक राजनीति शास्त्र ने किया एवं आभार राजनीति शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने माना।

डॉ. आशा पाराशर, डॉ. रेखा बख्शी, डॉ. पद्मा आचार्य, डॉ. मोनिका हर्डीकर, डॉ. सुनीता सिंह, डॉ. निशा इन्द्र गुरू, डॉ. अंजना नेमा, डॉ. रश्मि दुबे, डॉ. प्रतिमा खरे, डॉ. डी.के. गुप्ता, डॉ. नरेन्द्र सिंह ठाकुर, डॉ. सुनील श्रीवास्तव, श्रीमती निधि जैन, डॉ. भावना यादव, डॉ. अंशु सोनी, डॉ. अपर्णा चाचौंदिया, डॉ. शक्ति जैन, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. भावना रैना, डॉ. अरविन्द बोहरे, डॉ. दीपा खटीक, डॉ. नीतेश ओबेराइन, डॉ. कुलदीप यादव उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर

दै. भास्कर 07 मार्च 2020

गर्ल्स कॉलेज • संसदीय प्रक्रिया एवं पद्धति पर हुआ कार्यक्रम

राजनेताओं को सत्ता के मद में अपना मेनीफेस्टो नहीं भूलना चाहिए : उपाध्याय

भास्कर संवाददाता | सागर

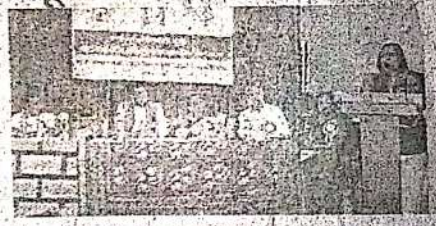

जो सरकारें निर्वाचित हो एवं बहुमत प्राप्त करें, उन्हें सत्ता के मद में अपना मेनीफेस्टो भूलना नहीं चाहिए। अपने दायित्व के लिए जवाबदेही अवश्य होना चाहिए। दिल्ली की हिंसा पर चर्चा ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत की जा रही है। जबकि ध्यानाकर्षण में आपातकालीन मुद्दों पर चर्चा की जाती है। यह बात डॉ. हरीसिंह गौर कॉलेज के प्रो. सर्वेश्वर उपाध्याय ने कही। वे शुक्रवार को एक्सीलेंस गर्ल्स डिग्री कॉलेज में संसदीय प्रक्रिया एवं पद्धति कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि संसदीय व्यवस्था का मूल मंत्र जागरूकता में निहित है। डॉ. अंबेडकर के अनुसार जवाबदेहिता की अधिकता के कारण लोकतंत्र में दो प्रकार की शासन व्यवस्था है। संसदीय एवं अध्यक्षीय व्यवस्था। अफ्रीका, फ्रांस एवं अमेरिका में अध्यक्षीय एवं लगभग शेष भारत में संसदीय व्यवस्था है। पूर्व विधायक सुनील जैन ने कहा कि वर्तमान में चौथा स्तंभ मीडिया के रूप में बहुत मजबूती से उभरा है। दिनभर चलने वाली न्यूज को न्यायपालिका, विधायिका या कार्यपालिका नजर अंदाज नहीं कर पाती। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव विधी सक्सेना ने कहा कि संविधान एकमात्र ऐसी पुस्तक है, जो सभी धर्मों को समदृष्टा की भांति देखती है। फिल्मों ने न्यायालय की समाज में अलग छवि बनाई है। वास्तव में न्यायालय समाज का अंग है और सामान्य रूप से काम करता है। कर्तव्य की पूर्ति ईमानदारी से करने पर अधिकार स्वतः प्राप्त होते हैं। डॉ. वीडी अहिरवार ने कहा 1996 के बाद भारत का राजनीतिक परिदृश्य बदला है। अब सरकारें बहुमत में आकर कार्यकाल पूर्ण कर रही हैं। यह प्रजातंत्र का शुभ संकेत है। इसलिए व्यवस्था ही सर्वश्रेष्ठ व्यवस्था है। सभी चार सत्रों के प्रश्न लगवाने के लिए 22 दिन पहले प्रश्न लगाना होता है। लाटरी प्रक्रिया से प्रश्न लगाया जाता है। 1862 में ही देश में संसदीय प्रक्रिया का प्रारंभ हो चुका था। प्राचार्य डॉ. इला तिवारी ने कहा कि यह विषय प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ा एवं संवेदनशील है तथा भविष्य की राजनीतिक पीढ़ी को यह व्यवहारिक ज्ञान दिशा देगा। कार्यशाला का उद्देश्य बताते हुए डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि प्रथम विधानसभा अध्यक्ष पं. कुंजीलाल दुबे विद्यापीठ की स्थापना 24 मार्च 1998 में संसदीय जानकारी प्रदान करने के लिए की गई थी। ताकि भविष्य में जो बच्चे राजनीति में जाएं वे सभी जानकारी के साथ प्रतिनिधित्व करें। संचालन डॉ. रजनी दुबे आभार डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने माना।

गर्ल्स कॉलेज

पत्रिका 07 मार्च 2020

संसदीय प्रक्रिया व पद्धति को लेकर रखे विचार

सागर. गर्ल्स डिग्री कॉलेज में शुक्रवार को पं कुंजीलाल दुबे प्रथम विधानसभा अध्यक्ष के द्वारा प्रदान की गई राशि से संसदीय प्रक्रिया एवं पद्धति कार्यक्रम आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि पूर्व विधायक सुनील जैन, विषय विशेषज्ञ के रूप में जबेरा कॉलेज के प्राचार्य डॉ. वीडी अहिरवार, जज विधि सक्सेना आदि उपस्थित थे। डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने कहा कि कुंजीलाल दुबे विद्यापीठ 24 मार्च 1998 में विद्यार्थी को विद्यापीठ की स्थापना की गई। संसदीय जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से की गई ताकि भविष्य में जो बच्चे राजनीति में जाए वे समस्त जानकारी के साथ वहां प्रतिनिधित्व करे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक जैन ने कहा कि वर्तमान में चौथा स्तंभ मीडिया के रूप में बहुत मजबूती से उभरा है। दिनभर चलने वाली न्यूज को न्यायपालिका, विधायिका या कार्यपालिका नजर अंदाज नहीं कर पाती और कार्यवाही आवश्यक हो जाती है। विशिष्ठ अतिथि विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय विधी सक्सेना ने कहा कि यह आयोजन न्यायपालिका से भी संबंधित है। संविधान का अनुछेद 32 एवं 226 को तहत यह उत्तरदायित्व दिया गया है कि मौलिक अधिकारों की रक्षा करें। संविधान एक ऐसी मातृ पुस्तक है, वह सभी धर्मों को समदृष्टा की भांति देखती है। डॉ. सर्वेश्वर उपाध्याय ने कहा कि संसदीय व्यवस्था का मूल मंत्र जागरूकता में निहित है। डॉ. अंबेडकर के अनुसार इसमें जवाबदेहिता की अधिकता के कारण अपनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्ष एवं संरक्षक डॉ. इला तिवारी ने कहा कि विषय विशेषज्ञ ने आपको विस्तृत जानकारी प्रदान की। यह विषय प्रत्येक व्यक्ति से जुड़ा एवं संवेदनशील है और भविष्य की राजनीतिक पीढ़ी को यह व्यवहारिक ज्ञान उन्हें दिशा देगा। संचालन डॉ. रजनी दुबे ने किया और आभार राजनीति शास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ. सुनीता त्रिपाठी ने माना

26/9/2019

समाचार

युवा उत्सव का शुभारंभ

शासकीय स्वशासी कन्या स्नातकोत्तर उत्कृष्टता महाविद्यालय, सागर (म.प्र.) में आज दिनांक 26–09–19 को महाविद्यालयीन त्रिदिवसीय युवा उत्सव का शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलवन एवं आह्वान से हुआ युवा उत्सव प्रभारी डॉ. अंजना चतुर्वेदी ने कहा युवा उत्सव का माहौल सृजित करता है जिसका उद्देश्य छात्राऐं शैक्षिणिक गतिविधियों के अतिरिक्त उनके सृजनात्मक गतिविधियों के प्रर्दशन के लिए शुअवसर प्रदान करता है साथ ही तीन दिवसीय समस्त विधाओं एवं विषयों की जानकारी दी विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व युवा उत्साव प्रभारी एवं जिला संयोजक डॉ.पद्मा आचार्य ने कहा कि युवा उत्सव युवाओं की क्षमताओं रचनात्मक एवं कलात्मक अभिव्यक्ति के लिऐ मंच प्रदान करता है मुख्य अतिथ्य के रूप में कला के क्षेत्र अन्वेषण थियेटर गुप से जुडे श्री अश्विन सागर ने अपने उद्बोधन में कक्षा कि युवा वह है जिसके मन में तेज,व भुजाओं में बल तथा पैरों में गति हो आप दृढ़ निश्चय आत्म बल को आत्मसात् करते हुये विश्वविद्यालय तक महाविद्यालय का नाम रोशन करें अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. ए.के. पटैरिया ने कहा कि यह मंच तीन दिवस तक छात्राओं का है आप अपनी कलात्मक शक्ति को पूर्ण शिद्धत एवं अनुशासन के साथ प्रदर्शित करें एवं आगे तक प्रतिनिधित्व करें। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ स्वीटी मिश्रा ने किया।

आज प्रथम दिवस पर साहित्य गतिविधियों के अन्तर्गत गिरते **नैतिक मूल्यों में सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव** विषय पर वृक्कता, **बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में वाहन चालक ही जिम्मेदार** है पर वाद विवाद पर प्रतियोगिता आयोजित हुई साथ ही प्रश्न मंच विधा का भी सम्पन हुई। रूपांकन विधा के अन्तगर्त **प्लास्टिक मुक्त भारत** पर पोस्टर निर्माण एवं **मोबाइल फोन का उपयोग/दुरप्रयोग** विषय प्रर काटूॅनिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। डॉ. सरिता जैन वृक्कता एवं वाद विवाद डॉ.इला तिवारी प्रश्न मंच,कार्टूनिंग डॉ.आनंद तिवारी,पोस्टर निर्माण डॉ. दीपा खटीक संयोजक रही। विभिन्न विधाओं में निर्णायक के रूप में डॉ. नरेन्द्रसिंह ठाकुर, डॉ. आनंद तिवारी, डॉ. ए.एच. अंसारी, डॉ. आलोक सहाय, डॉ. नवीन गिडियन, डॉ. प्रतिमा खरे, डॉ. रश्मि मलैया, डॉ. अनुभा शर्मा, डॉ. इला तिवारी, डॉ. बिन्दु श्रीवास्तव, डॉ. शक्ति जैन, रहे।

डॉ.रश्मि दुबे ने द्वितीय दिवस पर आयोजित होने वाली रंगोली, कोलॉज (विश्व खेल परिदृश्य में भारतीय महिला खिलाडी), एकल गायन (शास्त्रीय), एकल गायन (सुगम), समूह गायन (भारतीय), एकल गायन पाश्चात्य, एकल वादन (परकुशन), एकल वादन (नान परकुशन) विधाओं की जानकारी दी। डॉ.अरविन्द बोहरे ने द्वितीय दिवस में होने प्रतियोगिताओं के नियम से अवगत कराया।

उद्घाटन में डॉ.आशा पाराशर, डॉ. संजय खरे,डॉ.डी.के.गुप्ता,डॉ. बिन्दु श्रीवास्तव, डॉ मंगला सूद, डॉ. अनिल शर्मा, डॉ. रजनी दुबे डॉ. मालती दुबे, डॉ. रेखा बख्शी, उपस्थित रही। डॉ. निशा इन्द्र गुरू, डॉ. अंजना नेमा, डॉ. रश्मि मलैया,डॉ.भावन रमैया डॉ.शारदा विश्वकर्मा,श्रीमति भावना पटैल,सुश्री सुप्रिया यादव,ने समिति सदस्य के सहयोग के रूप में सहयोग प्रदान किया।

युवा उत्सव प्रभारी

प्राचार्य